

बाबा का दरबार लगै स री मंगल और शनिवार लिरिक्स



बाबा का दरबार लगै स री,
मंगल और शनिवार।bd।

बालाजी की जोत जगै स,
कटते रोग पुराणे री कटते रोग पुराणे री,
एक दरखास लगै चरणां में,
पल में बाबा आणे री पल में बाबा आणे री,
पल में रोग कटै स री,
मंगल और शनिवार।bd।

छोटे छोटे दो लाडु,
खाए त पेशी आवःस खाए त पेशी आवःस,
मार मार क सोटे बाबा,
घेर जोत प ल्यावः स घेर जोत प ल्यावः स,
ओपरा नहीं डटै स री,
मंगल और शनिवार।bd।

दरबारां जोत जगै स,
पहरे प हनुमान खडै पहरे प हनुमान खडै,
धरया लंगोटा बालाजी का,
दिखं सं भगवान खडै दिखं सं भगवान खडै,
सोये भाग जगै सं री,
मंगल और शनिवार।bd।

बाले भक्त जोत प बैठे,
सिर प हाथ मुरारी का सिर प हाथ मुरारी का,
महराणे में झंडा गडरहया,
बाबा संकटहारी का बाबा संकटहारी का,
गुहणिया राम रटै स री,
मंगल और शनिवार।bd।

मंगल और शनिवार।bd।



गायक – नरेंद्र कौशिक जी।

प्रेषक – राकेश कुमार जी।

खरक जाटान(रोहतक)

9992976579

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>